

**MEMORANDUM OF UNDERSTANDING**  
**BETWEEN**  
**MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY OF THE**  
**GOVERNMENT OF THE REPUBLIC OF INDIA**  
**AND**  
**MINISTRY OF ENERGY AND WATER RESOURCES**  
**OF THE REPUBLIC OF TAJIKISTAN**  
**ON**  
**CO-OPERATION IN THE FIELD OF RENEWABLE ENERGY**

The Ministry of New and Renewable Energy of the Government of the Republic of India and the Ministry of Energy and Water Resources of the Republic of Tajikistan (hereinafter referred to as the "Parties" and individually as the Party").

Having identified New and Renewable Energy as a common area of interest; and desiring to establish Cooperation between the Indian and Tajik entities with the aim of developing New and Renewable Energy Technologies.

HAVE REACHED THE FOLLOWING UNDERSTANDING;

**ARTICLE I**  
**OBJECTIVE**

The objective of this Memorandum of Understanding (MoU) is to establish the basis for a cooperative institutional relationship to encourage and promote bilateral technical cooperation on new and renewable energy on the basis of mutual benefit, equality and reciprocity between the Parties.

**ARTICLE II**  
**AREAS OF COOPERATION**

The Parties will, subject to the laws, rules, regulations and national policies from time to time in force, governing the subject matter in their respective countries, endeavor to take necessary steps and promote cooperation in renewable energy. The cooperation will focus on development & deployment of new and renewable energy and storage technologies.



**ARTICLE III**  
**MODALITIES OF COOPERATION**

Cooperation under this Memorandum of Understanding may take the following modalities:

- a. Exchange of scientific and technological available information and data;
- b. Exchange and training of scientific and technical personnel;
- c. Organization of workshops, seminars and working groups;
- d. Transfer of equipment, know-how and technology on non-commercial basis;
- e. Development of joint research or technical proposals in the areas of mutual interest; and
- f. Other modalities as may be decided upon by the Parties.

**ARTICLE IV**  
**JOINT WORKING GROUP**

In order to coordinate the above mentioned activities and decide upon project proposals relating to design, development and deployment of various new and renewable energy technologies, the Parties will establish a "Joint Working Group" (JWG) with the following functions:-

- a. Identifying areas of cooperation for development of new and renewable energy & storage technologies.
- b. Monitoring and evaluating cooperation activities; and
- c. Any other activity as may be agreed upon by the Parties in writing.

The Parties will designate one main representative each to the Joint Working Group for the aforesaid activities. The Joint Working Group will to the extent possible conduct the work through electronic communication, but meet alternately in India and Tajikistan whenever considered necessary.

The Joint Working Group can co-opt other members from scientific institutions, research centres, universities or any other entity, as and when considered essential.



**ARTICLE V  
FINANCING**

Each Party will bear its own costs in all programmes of cooperation and in the meetings of implementing agencies, Joint Working Group contemplated under this MoU.

**ARTICLE VI  
SETTLEMENT OF DISPUTES**

Any dispute concerning the interpretation or application of this MOU shall be settled amicably through mutual consultation and / or negotiations between the Parties.

**ARTICLE VII  
AMENDMENTS**

The Memorandum of Understanding can be amended, revised or modified by MUTUAL DECISION OF THE Parties through exchange of letters between the Parties.

**ARTICLE VIII  
COOPERATION UNDER ISA**

Both the countries appreciate and support the International Solar Alliance (ISA) launched on 30 November, 2015 on the sidelines of 21<sup>st</sup> Conference of Parties to the United Nations Framework Convention on Climate change held in Paris, France and recognize the critical role it can play in development and deployment of solar energy.

Both the countries shall jointly work together to achieve ISA objectives for accelerated development and deployment of solar energy by facilitating availability of technologies, finances, research and development and capacity building, and also put joint efforts to make ISA a strong intergovernmental organization.

**ARTICLE IX  
ENTRY INTO FORCE, DURATION AND TERMINATION**

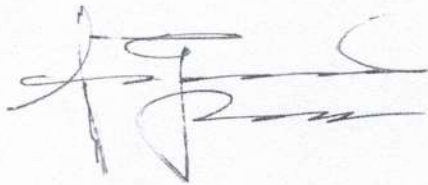
This MOU shall enter into force on the date of its signing and shall remain in force for a period of five (5) years. Thereafter this Memorandum of Understanding shall stand automatically renewed for further successive periods of five years, unless either of the Parties decides to terminate the same. Such decision will be communicated in writing to

the other Party at least three (3) months prior to its termination. The termination of this MoU will not affect the validity and duration of any on-going programme and projects under this MoU.

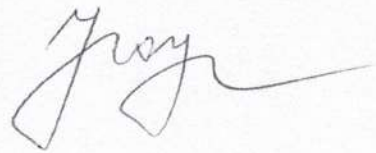
This Memorandum of Understanding is not legally binding and does not create any rights or obligations for the Parties under International Law.

IN WITNESS WHERE OF, the undersigned being duly authorized thereto by their respective Governments, have signed this Memorandum of Understanding.

Signed at Dushanbe on the 8<sup>th</sup> day of October, 2018 in two (2 originals), each in Hindi, Tajik and English languages, all texts being equally authentic. In case of any divergence, the English text shall prevail.



**For the Ministry of New and  
Renewable Energy  
of the Republic of India**



**For the Ministry of Energy and  
Water Resources  
of the Republic of Tajikistan**



भारत गणराज्य की सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय  
तथा  
ताजिकिस्तान गणराज्य के ऊर्जा और जल संसाधन मंत्रालय  
के बीच  
अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग  
पर  
समझौता ज्ञापन

भारत गणराज्य के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा ताजिकिस्तान गणराज्य के ऊर्जा और जल संसाधन मंत्रालय (जिन्हें इसके पश्चात् "पक्षों" और व्यक्तिगत रूप से "पक्ष" कहा गया है)।

नवीन और अक्षय ऊर्जा को हित के समान क्षेत्र के रूप में पहचान करते हुए; और नवीन और अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का विकास करने के उद्देश्य से भारतीय और ताजिक संगठनों के बीच सहयोग स्थापित करने की इच्छा से

निम्नानुसार सहमत हुए हैं:

**अनुच्छेद-1**

**उद्देश्य**

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच परस्पर हित, समानता और पारस्परिकता के आधार पर नवीन और अक्षय ऊर्जा पर द्विपक्षीय तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए एक सहयोगात्मक संस्थागत संबंध हेतु आधार तैयार करना है।

**अनुच्छेद-11**

**सहयोग के क्षेत्र**

पक्षों द्वारा अपने संबंधित देशों में इस विषय को संचालित करने वाले समय-समय पर लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और राष्ट्रीय नीतियों के अधीन अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस सहयोग में नवीन और अक्षय ऊर्जा एवं भंडारण प्रौद्योगिकियों के विकास और संस्थापना पर बल दिया जाएगा।

**अनुच्छेद-III**  
**सहयोग की प्रणालियाँ**

इस समझौता जापान के अंतर्गत निम्नलिखित पद्धतियों से सहयोग किया जा सकता है:-

- क. वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय रूप से उपलब्ध जानकारी और आंकड़ों का आदान-प्रदान;
- ख. वैज्ञानिक और तकनीकी कार्मिकों का आदान-प्रदान और प्रशिक्षण;
- ग. कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और कार्यदलों का आयोजन;
- घ. उपकरण, जानकारी और प्रौद्योगिकी का गैर वाणिज्यिक आधार पर अंतरण;
- ङ. परस्पर हित के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान अथवा तकनीकी प्रस्तावों का विकास; और
- च. पक्षों द्वारा यथा निर्धारित अन्य प्रणालियाँ।

**अनुच्छेद-IV**  
**संयुक्त कार्यदल**

ऊपर उल्लिखित कार्यकलापों का समन्वय करने तथा विभिन्न नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के अभिकल्पन, विकास और संस्थापना से संबंधित परियोजना प्रस्तावों पर निर्णय लेने के उद्देश्य से पक्षों द्वारा एक "संयुक्त कार्यदल" (जेडब्ल्यूजी) की स्थापना की जाएगी जिसके निम्नलिखित कार्य होंगे:-

- क. नवीन और अक्षय ऊर्जा एवं भंडारण प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करना;
- ख. सहयोगात्मक कार्यकलापों का अनुश्रवण और मूल्यांकन करना; और
- ग. पक्षों द्वारा लिखित में हुई सहमति के अनुसार कोई अन्य कार्यकलाप।

पक्षों द्वारा उपरोक्त कार्यकलापों के लिए संयुक्त कार्यदल में एक-एक मुख्य प्रतिनिधि को मनोनीत किया जाएगा। संयुक्त कार्यदल यथा संभव अपने कार्यों का संचालन इलेक्ट्रॉनिक संचार के माध्यम से करेगा परंतु जब कभी आवश्यक समझा जाए तो इसकी बैठक भारत और ताजिकिस्तान में बारी-बारी से आयोजित की जाएगी।

संयुक्त कार्यदल द्वारा जब और जिस प्रकार आवश्यक समझा जाए वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान केन्द्रों, विश्वविद्यालयों और किसी अन्य कंपनी से दूसरे सदस्यों को सहयोजित किया जा सकता है।



**अनुच्छेद-V**  
**वित्तपोषण**

प्रत्येक पक्ष द्वारा इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत विचारित अपने सभी सहयोग कार्यक्रमों और संयुक्त कार्यदल की कार्यान्वयन एजेंसियों की बैठकों में होने वाले व्ययों का वहन स्वयं किया जाएगा।

**अनुच्छेद-VI**  
**विवादों का निपटान**

इस समझौता ज्ञापन की व्याख्या अथवा इसे लागू किए जाने से संबंधित किसी प्रकार के विवाद का निपटान पक्षों के बीच परस्पर विचार-विमर्श और/अथवा वार्तालाप के माध्यम से सौहार्द्रपूर्वक किया जाएगा।

**अनुच्छेद-VII**  
**संशोधन**

इस समझौता ज्ञापन को दोनों पक्षों के बीच पत्रों के आदान-प्रदान के माध्यम से पक्षों की परस्पर सहमति से संशोधित, पुनरीक्षित अथवा परिमार्जित किया जा सकता है।

**अनुच्छेद-VIII**  
**आईएसए के अंतर्गत सहयोग**

दोनों देश दिनांक 30 नवम्बर, 2015 को पेरिस, फ्रांस में संपन्न जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेम कन्वेंशन के पक्षों के 21वें सम्मेलन के साथ-साथ आरंभ किए गए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की सराहना करते हैं और सहयोग प्रदान करते हैं तथा सौर ऊर्जा के विकास और संस्थापना के क्षेत्र में इसके द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता प्रदान करते हैं।

दोनों देश प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता, वित्तपोषण, अनुसंधान एवं विकास और क्षमता निर्माण को सुगमिकृत कर सौर ऊर्जा के त्वरित विकास और संस्थापना हेतु आईएसए के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु संयुक्त रूप से कार्य करेंगे तथा आईएसए को एक सुदृढ़ अंतर-सरकारी संगठन बनाने हेतु संयुक्त प्रयास भी करेंगे।

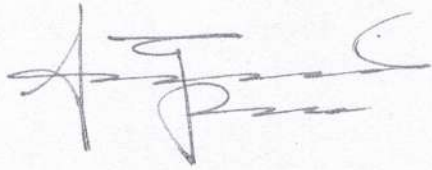
**अनुच्छेद-IX**  
**लागू होना, अवधि और समापन**

यह समझौता जापन इस पर हस्ताक्षर किए जाने की तारीख से लागू होगा और पाँच (5) वर्षों की अवधि के लिए लागू रहेगा। तत्पश्चात् यह समझौता जापन अगले 5 वर्षों के लिए स्वतः नवीकृत हो जाएगा जब तक कि दोनों में से कोई एक पक्ष इसे समाप्त करने का निर्णय नहीं ले लेता है। इस प्रकार के निर्णय दूसरे पक्ष को इसे समाप्त किए जाने के कम से कम तीन (3) माह पहले लिखित में परिचालित किए जाएंगे। इस समझौता जापन के समाप्त किए जाने से इसके अंतर्गत चल रहे किसी कार्यक्रम और परियोजनाओं की वैधता और अवधि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

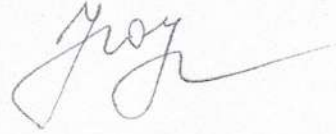
यह समझौता जापन (एमओयू) कानूनी रूप से बाध्यकर नहीं है और पक्षों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून के अंतर्गत किन्हीं अधिकारों अथवा बाध्यताओं का सृजन नहीं करता है।

जिसके साक्ष्य स्वरूप अधोहस्ताक्षरकर्त्ताओं, जिन्हें उनकी संबंधित सरकारों ने विधिवत् प्राधिकृत किया है, द्वारा इस समझौता जापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

दुशानबे में वर्ष माह अक्टूबर, 2018 के आठवें दिन हिन्दी, ताजिक और अंग्रेजी भाषाओं में दो-दो प्रतियाँ (2 मूल प्रतियाँ) में हस्ताक्षरित, सभी पाठ समान रूप से प्रामाणिक हैं। किसी प्रकार की भिन्नता की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।



भारत गणराज्य के नवीन और नवीकरणीय  
ऊर्जा मंत्रालय की ओर से



ताजिकिस्तान गणराज्य के ऊर्जा और जल  
संसाधन मंत्रालय की ओर से



## **ЁДДОШТИ ТАФОХУМ**

### **БАЙНИ**

#### **ВАЗОРАТИ ЭНЕРГИЯИ НАВ ВА БАРҚАРОРШАВАНДАИ ҲУКУМАТИ ҶУМҲУРИИ ҲИНДУСТОН**

### **ВА**

#### **ВАЗОРАТИ ЭНЕРГЕТИКА ВА ЗАХИРАҲОИ ОБИ ҶУМҲУРИИ ТОҶИКИСТОН**

### **ОИД БА**

#### **ҲАМКОРӢ ДАР СОҲАИ ЭНЕРГИЯИ БАРҚАРОРШАВАНДА**

Вазорати энергетика ва захираҳои оби Ҷумҳурии Тоҷикистон ва Вазорати энергияи нав ва барқароршавандаи Ҳукумати Ҷумҳурии Ҳиндустон (минбаъд дар якҷоягӣ «Тарафҳо» ва дар алоҳидагӣ «Тараф» номида мешаванд)

бо муайян намудани энергияи нав ва барқароршаванда ҳамчун самти мутақобилан муфид ва

бо хоҳиши роҳандозӣ намудани ҳамкориҳо байни сохторҳои Тоҷикистону Ҳиндустон чихати рушди технологияҳои энергияи нав ва барқароршаванда,

ба мувофиқаи зайл расиданд:

#### **МОДДАИ 1 МАҚСАД**

Мақсади Ёддошти тафохуми мазкур (ЁТ) ин созмон додани чорчуба барои ба роҳ мондани муносибатҳои институтсионалӣ ва ташвиқу тарғиби ҳамкориҳои дучонибаи техникӣ дар самти энергияи нав ва барқароршаванда дар асоси манфиатҳои тарафайн, баробарӣ ва ҳамдигарфаҳмии тарафҳо ба ҳисоб меравад.

#### **МОДДАИ 2 САМТҲОИ ҲАМКОРӢ**

Тарафҳо дар доираи конунҳо, қоидаҳо, муқаррарот ва сиёсати миллии худ, ки дар баъзе ҳолатҳо амал намуда, масъалаҳои дахлдорро дар



кишварҳои якдигар ба танзим мебароранд, чораҳои заруриро ҷиҳати ташвиқи ҳамкорӣ дар соҳаи энергияи барқароршаванда, роҳандози менамоянд. Рушди технологияҳои энергияи нав ва барқароршаванда ҳамчун самти афзалиятноки ҳамкориҳо дар соҳаҳои зерин муайян гардидаанд, аз ҷумла:

- Энергияи офтобӣ;
- Нерӯгоҳи хурди обӣ;
- Биомасса/Биоэнергия;
- Рушди иктидор;

### **МОДДАИ 3 ШАКЛҲОИ ҲАМКОРӢ**

Ҳамкориҳо дар доираи Ёддошти тафохум дар шаклҳои зерин амалӣ хоҳанд гардид:

- a. Мубодила ва таҷрибаомӯзии ҳайатҳои илмӣ-техникӣ;
- b. Мубодилаи иттилоот ва маълумоти мавҷудбудаи илмӣ ва технологӣ;
- c. Ташкил намудани ҷаласаҳои корӣ, семинарҳо ва гуруҳҳои корӣ;
- d. Интиқоли таҷҳизот, кордонӣ ва технология бидуни уҳдадорихои тиҷоратӣ;
- e. Рушди таҳқиқотҳои муштарак ё лоиҳаҳои техникии дар тавачҷӯхи тарафҳо қарордошта; ва
- f. Дигар шартҳои, ки аз ҷониби тарафҳо муайян карда хоҳанд шуд.

### **МОДДАИ 4 ГУРУҲИ КОРИИ МУШТАРАК**

Тарафҳо бо мақсади ҳамохангсозии чорабиниҳои дар боло зикргардида ва қабули қарор роҷеъ ба омодагии пешниҳодҳои лоиҳавӣ оид ба тарҳрезӣ ва рушди технологияҳои энергияи нави гуногун ва барқароршаванда, «Гуруҳи муштаракҳои корӣ»-ро (ГКМ) бо вазифаҳои зерин таъсис хоҳанд дод:

- a. Муайянсозии самтҳои дар тавачҷӯхи Тарафҳо қарордошта ва ба роҳ мондани ҳамкорӣ ҷиҳати рушди технологияҳои энергияи нав ва барқароршаванда, низомҳо, зеринизомҳо, таҷҳизотҳо, ҷузъҳо ва ғайра;
- b. Мониторинг ва арзёбии фаъолияти ҳамкорӣ; ва
- c. Дигар амалҳои, ки метавонанд байни Тарафҳо дар шакли хаттӣ ҳамоханг шуда бошанд.

Ҳар як Тараф намоёндаи худро ҷиҳати амалисозии чорабиниҳои зикргардида ба ҳайати Гуруҳи кории муштарак шомил менамояд. Гуруҳи кории муштарак фаъолияти худро ба қадри имкон тавассути алоқаи



электронӣ ба роҳ монда, дар ҳолати зарурӣ баргузорию онро бо навбат дар Ҳиндустон ва Тоҷикистон ташкил менамояд.

Гуруҳи кории муштарак дар ҳолати зарурӣ метавонад дигар аъзоёноро аз ташкилотҳои илмӣ, марказҳои таҳқиқотӣ, донишгоҳҳо ва дигар муассисаҳо ба ҳайати худ шомил намояд.

## **МОДДАИ 5 МАБЛАҒГУЗОРӢ**

Тамоми хароҷоти марбут ба барномаҳои ҳамкорӣ ва ҷаласаҳои агентии иҷроияи Гуруҳи кории муштарак, ки дар ҷаҳорҷубаи ҳамин Ёддошти тафохум пешбинӣ гардидааст, аз ҷониби ҳуди тарафҳо пардохт карда мешаванд.

## **МОДДАИ 6 ҲАЛЛИ БАҲСҲО**

Ҳама гуна баҳсҳои дар тафсир ва татбиқи Ёддошти Тафохум бамиёномада, аз ҷониби Тарафҳо тавассути мулоқот ва гуфтушунидҳои мутақобила ҳал карда мешаванд.

## **МОДДАИ 7 ТАҒЙИРОТҲО**

Тағйир, таҳрир ва иловаҳо ба Ёддошти тафохуми мазкур бо розигии мутақобилаи Тарафҳо тариқи мубодилаи мактубҳои расмӣ байни Тарафҳо ворид ва ба расмӣ дароварда мешавад.

## **МОДДАИ 8 ҲАМКОРӢ ДАР ҶАҲОРҶУБАИ ЭЪТИЛОФИ БАЙНАЛМИЛАЛИИ ОФТОБӢ (ISA)**

Ҳар ду кишвар Эътилофи байналмилалии офтобиро, ки фаъолияти он 30 ноябри соли 2015 дар хошияи Конфронси 20-уми Тарафҳои Конвенсияи қолабии Созмони Милали Муттаҳид оид ба тағйирёбии иқлим дар шаҳри Парижи Ҷумҳурии Фаронса оғоз гардида буд, қадр ва дастгирӣ намуда, нақши босазои Эътилофи байналмилалии офтобиро дар самти рушд ва густариши энергияи офтобӣ эътироф менамоянд.

Ҳар ду кишвар бояд баҳри ноил гардидан ба ҳадафҳои Эътилоф дар рушди босубот ва истифодабарии энергияи офтобӣ тариқи дастрасӣ ба технология, маблағгузорӣ, таҳқиқот, рушд ва баланд бардоштани иқтидор фаъолияти якҷоя намуда, ҷихати қавитар гардонидани мавқеи Эътилоф ҳамчун Созмони байниҳукуматӣ, талошҳои муштаракӣ заруриро роҳандозӣ намоянд.



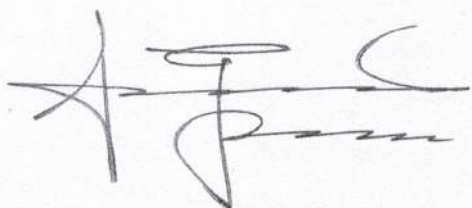
**МОДДАИ 9**  
**ЭЪТИБОР ПАЙДО НАМУДАН, ДАВОМНОКӢ ВА ҚАТЪШАВӢ**

Ёддошти мазкур аз санаи баимзорасӢ эътибори қонунӢ пайдо намуда, бояд муддати 5 сол амал намояд. Минбаъд амали Ёддошти тафохуми мазкур дар асоси розигии хаттии Тарафҳо аз нав тамдид карда мешавад, ба истиснои ҳолатҳое, ки яке аз Тарафҳо нияти бекор намудани онро дошта бошад. Чунин қарор бояд на дертар аз се моҳ пеш аз бекор намудан дар шакли хаттӢ ба тарафи дигар расонида шавад. Бекор гардидани Ёддошти мазкур ба амал ва муҳлати дилхоҳ барнома ва лоиҳаҳои дар доираи Ёддошти мазкур амалкунанда таъсир намерасонад.

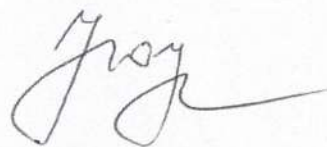
Ёддошти тафохуми мазкур ҳуҷҷати ҳуқуқии хусусияти ҳатмидошта ба ҳисоб намеравад ва тибқи талаботи ҳуқуқи байналмилалӢ барои Тарафҳо ҳеҷ гуна ҳуқуқ ва ўҳдадорихоро ба вучуд намеорад.

Бо тасдиқи кайдгардида, зеримзокунандагон, ки ба таври дахлдор аз ҷониби ҳукуматҳои худ ваколатдор гардидаанд, Ёддошти тафохуми мазкурро имзо намуданд.

Дар шаҳри Душанбе 8 октябри соли 2018 дар се нусха - бо забонҳои тоҷикӢ, ҳиндӢ ва англисӢ, ки ҳар се матн эътибори яқсон доранд, ба имзо расидааст. Ҳангоми ба вучуд омадани муҳолифат, Тарафҳо матни забони англисиро ба асос мегиранд.



**ВАЗОРАТИ ЭНЕРГИЯИ НАВ ВА  
БАРҚАРОРШАВАНДАИ ҶУМҲУРИИ  
ҲИНДУСТОН**



**ВАЗОРАТИ ЭНЕРГЕТИКА ВА  
ЗАХИРАҲОИ ОБИ ҶУМҲУРИИ  
ТОҶИКИСТОН**